RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : गुरुवार 04 अप्रैल 2024 वर्ष 05 अंक 343 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

महायुति में तनातनी बरकरार

शिंदे गुट का दक्षिण मुंबई सीट पर दावा... मिलिंद देवड़ा की तैयारी तेज !

मुंबई: लोकसभा चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर महायुति में तनातनी बरकरार है। यवतमाल-वासिम, सिंधुदुर्ग-रत्नागिरी, हातकणंगले, शिर्डी, हिंगोली और नासिक के बाद अब दक्षिण मुंबई संसदीय सीट को लेकर भी महायुति में टकराव बढ़ गया है। शिंदे गुट ने दक्षिण मुंबई सीट पर दावा ठोंका है और राज्यसभा सदस्य मिलिंद देवड़ा का नाम आगे किया है। इसके लिए देवड़ा ने भी तैयारी तेज कर दी हैं।

मिलिंद देवड़ा की तैयारी तेज

शिंदे गुट की ओर से दावा किया गया है कि दक्षिण मुंबई पर दोबारा कब्जा करने के लिए शिवसेना तैयार है। शिवसेना ही यहां के लोगों को न्याय दिला सकती है। इस क्षेत्र में देवड़ा को सक्रियता का दावा करते हुए उनकी उम्मीदवारी का अनौपचारिक ऐलान कर दिया है। हालांकि भाजपा यहां से नार्वेकर को उतारनाचाहती है। बुधवार को शिवसेना की तीन नई शाखाओं का उद्घाटन किया गया। शिवसेना की तरफ से ठाकरे गुट के वर्तमान सांसद अरविंद सावंत की जनता से दूरियों का हवाला देते हुए कहा गया कि इस क्षेत्र को सक्रिय नेतृत्व की आवश्यकता है, जो जनता तक पहुंचे। लोगों की समस्याओं को समझे और उनका समाधान करें। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसैनिकों को मुंबई की प्रगति और विकास के लिए अथक प्रयास करने के लिए प्रेरित किया है। पार्टी का लक्ष्य शहर के सामने आने वाले गंभीर मुद्दों का समाधान करना है।

दक्षिण मुंबई संसदीय क्षेत्र मूलरूप से शिवसेना का गढ़ माना जाता है। पिछले दो चुनावों से लगातार इस सीट से अरविंद सावंत सांसद चुने जा रहे हैं। महा विकास आघाडी की तरफ से शिवसेना (ठाकरे गुट) ने फिर से सावंत को उम्मीदवार घोषित किया है। महायुति ने अभी तक प्रत्याशी घोषित नहीं किया है। इस सीट पर भाजपा ने दावा ठोंका है और विधान सभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को टिकट देने की चर्चा है। इस सीट से वर्ष 2004 और 2009 के चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर मिलिंद देवड़ा सांसद चुने जा चुके हैं। हालांकि आगे के 2014 और 2019 के चुनाव में अरविंद सावंत ने देवड़ा को पराजित किया था। अब देवड़ा कांग्रेस से अलग होकर शिंदे गुट के साथ हैं।

मेरे ऊपर एनर्जी वेस्ट न करें...

महाराष्ट्र में अब कांग्रेस नेता संजय निरुपम छोड़ेंगे पार्टी?

मुंबई नार्थ वेस्ट सीट से निर्दलीय भी लड़ सकते हैं निरुपम

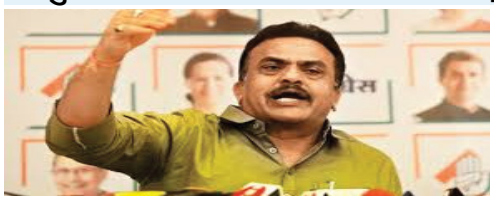

मुंबई: 2024 लोकसभा चुनावों के बीच में कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लगा है। महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता वरिष्ठ नेता संजय निरुपम ने पार्टी छोड़ने का ऐलान किया है। संजय निरुपम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि कांग्रेस पार्टी मेरे लिए ज्यादा ऊर्जा और स्टेशनरी नष्ट ना करे। बल्कि अपनी बची-खुची ऊर्जा और स्टेशनरी का इस्तेमाल करे,पार्टी को बचाने के लिए करे। वैसे भी पार्टी भीषण आर्थिक संकट के दौर से गुजर रही है। मैंने जो एक हफ़्ते की अवधि दी थी, वह आज पूरी हो गई है। कल मैं खुद फैसला ले लूंगा। संजय निरुपम ने यह पोस्ट महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले की प्रेस कांफ्रेंस के बाद की। हालांकि उन्होंने अभी अपने बायो में कांग्रेसमैन लिखा हुआ और राहुल गांधी के साथ वाली डीपी नहीं बदली है।

पार्टी हाईकमान को दिया था समय

संजय निरुपम ने मुंबई नार्थ वेस्ट के साथ राज्य की पांच सीटों पर कांग्रेस नेतृत्व से दोबारा विचार करने को कहा था। इसके लिए उन्होंने पार्टी को समय दिया था, जब पार्टी की तरफ से कोई दोबारा विचार नहीं किया गया तो संजय निरुपम की नाराजगी खुले तौर पर सामने आ रही थी। निरुपम कांग्रेस से लोकसभा के सदस्य और राज्यसभा के सदस्य रह चुके हैं। वे कुछ समय के लिए मुंबई में कांग्रेस की कमान भी संभाल चुके हैं। मुंबई नार्थ वेस्ट सीट पर उद्धव ठाकरे ने अमोल कीर्तिकर को उम्मीदवार बनाया है। सीएम शिंदे की तरफ से मराठी एक्टर शरद पोंक्षे का नाम चर्चा में है। महाराष्ट्र में मिलिंद देवड़ा और अशोक चव्हाण पहले ही पार्टी छोड़ चुके हैं।

पटोले की पीसी के बाद की पोस्ट...

नाना पटोले से से प्रेस कांफ्रेंस में पूछा गया था कि संजय निरुपम नाराज हैं वे पार्टी के खिलाफ बयान दे रह हैं तो नाना पटोले ने कहा था कि पार्टी की तरफ से घोषित स्टार प्रचारकों की सूची में उनका नाम शामिल था। हमने उनके नाम को कैंसिल किया है। पटोले ने कहा था कि उनके खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी। इसके बाद संजय निरुपम ने एक्स पर पोस्ट करके पार्टी छोड़ने का ऐलान कर दिया। संजय निरुपम कांग्रेस के उम्मीदवार के तौर पर मुंबई नार्थ वेस्ट सीट से लड़ना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने दावेदारी भी की थी, लेकिन इस सीट पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना द्वारा उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद से संजय निरुपम नाराज चल रहे थे।

घर में सेक्स रैकेट चला रही महिला गिरफ्तार,

दो युवतियों को पुलिस ने किया आजाद

पिंपरी: युवतियों को पैसों का लालच देकर अपने ही घर में वेश्यावृत्ति का धंधा शुरू करने वाली महिला के खिलाफ पिंपरी-चिंचवड़ क्राइम ब्रांच की अनैतिक तस्करी विरोधी सेल ने कार्रवाई की। उसकी गिरफ्त में मौजूद दो युवतियों को आजाद किया गया है। यह कार्रवाई मारुंजी में सोमवार शाम को की गई। पुलिस ने संबंधित महिला को गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में हिंजवडी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, अनैतिक मानव तस्करी सेल को जानकारी मिली थी कि हिंजवडी पुलिस स्टेशन के तहत मारुंजी में एक महिला आर्थिक लाभ के लिए अपने फ्लैट में युवतियों को पैसे का लालच देकर वेश्यावृत्ति के धंधे में लगा रही है। इसी के तहत पुलिस ने सोमवार शाम 7:00 बजे महिला के फ्लैट पर छापा मारा और कार्रवाई की। पुलिस ने आरोपी महिला के कब्जे से दो लड़कियों को छुड़ाया। साथ ही महिला को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त विनय कुमार चौबे, अपर पुलिस आयुक्त वसंत परदेशी, पुलिस उपायुक्त (क्राइम) संदीप डोईफोडे, सहायक पुलिस आयुक्त (क्राइम) डॉ. विशाल हिरे, पुलिस निरीक्षक देवेंद्र चव्हाण, पुलिस आयुक्त सुनील शिरसाट के मार्गदर्शन में अनैतिक तस्करी विरोधी सेल के मारुति करचुडे, भगवंता मुठे, गणेश कारोटे, सुधा टोके, संगीता जाधव, सोनाली माने ने की है।

स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई !

मिलेगी जुमार्ने की ऑनलाइन रसीद

मुंबई: सार्वजनिक स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई में अब प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाएगा। नगर पालिका के ह्यएल्ह खंड में मंगलवार से स्वच्छता से जुड़ा एक प्रोजेक्ट शुरू किया गया है और अब स्वच्छता के नियमों का उल्लंघन करने वालों को ऑनलाइन जुमार्ने की रसीद मिलेगी. प्रशिक्षित क्लीन अप मार्शल कार्रवाई के दौरान वसूले गए जुमार्ने को हाथ से लिखने के बजाय मोबाइल ऐप के माध्यम से मुद्रित रसीद देंगे। साथ ही नागरिकों को ऑनलाइन जुमार्ना भरने का विकल्प भी दिया गया है. स्वच्छ मुंबई अभियान के तहत अधिक जन-उन्मुख और प्रौद्योगिकी-केंद्रित पहल की जानी चाहिए। साथ ही मनपा आयुक्त भूषण गगरानी और अतिरिक्त मनपा आयुक्त सुधाकर शिंदे ने सिस्टम को और अधिक पारदर्शी व्यवस्था लागू करने का निर्देश दिया है. तदनुसार, क्लीन अप मार्शलों के माध्यम से आईटी-आधारित दंड की शुरूआत की गई है। इस पायलट प्रोजेक्ट की प्रतिक्रिया को ध्यान में रखते हुए, इस प्रौद्योगिकी-आधारित पहल को पूरे मुंबई में लागू किया जाएगा। नगर निगम के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने स्वच्छता नियमों के उल्लंघन के बाद दंडात्मक वसूली के लिए डिजिटल और ऑनलाइन कार्रवाई करने के लिए एक मोबाइल ऐप तैयार किया है। पूरे मुंबई में लगभग 700 क्लीन अप मार्शल काम कर रहे हैं, जैसे प्रत्येक प्रशासनिक प्रभाग में 30। इन सभी को प्रशिक्षण देकर पायलट आधार पर डिजिटल संचालन शुरू किया जाएगा। साथ ही कार्यवाही के डिजिटलीकरण से नगर निगम को यह भी सटीक जानकारी मिल सकेगी कि किस दिन, किस स्थान पर, किस अनुभाग में, किस प्रकार का कितना जुमार्ना लगाया गया। नागरिकों को मिलने वाली रसीद पर नगर निगम का लोगो और रसीद नंबर होगा। इसमें नगर निगम विभाग का नाम, तारीख, समय और जहां कार्रवाई हुई उस स्थान का अक्षांश और देशांतर भी होगा। परिणामस्वरूप, दंड प्रक्रिया में कदाचार को रोका जा सकेगा। साथ ही नागरिकों और मार्शलों के बीच विवादों से भी बचा जा सकेगा. क्लीन अप मार्शल के मोबाइल फोन में नगर निगम द्वारा विकसित क्लीन अप मार्शल सिस्टम ऐप होगा। इसमें स्वच्छता नियमों को तोड़ने पर पहले से ही वसूली जाने वाली एक निश्चित राशि शामिल होगी। मौजूदा प्रथा के मुताबिक क्लीन अप मार्शल को न्यूनतम 100 रुपये और अधिकतम 1000 रुपये का जुमार्ना लगाने का अधिकार होगा. डॉ. ने नागरिकों से इस योजना में सहयोग करने की अपील की. सुधाकर शिंदे ने व्यक्त किये.

संपादकीय / लेख

पर्यटन की आस्था

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

अभी नवरात्रि आगमन की सूचना भर ही थी कि श्रद्धालुओं ने ज्वालामुखी मंदिर की व्यवस्था को निकम्मा साबित कर दिया। सप्ताहांत पर्यटन की शुमारी में बड़े मंदिर के दर्शन छोटे हो गए, तो उस दावे को पलीता लग गया जो हिमाचल में पांच करोड़ पर्यटकों का इंतजार कर रहा है। हम कारणों को समझे बिना व्यवस्था-व्यवस्था चिल्लाते हैं, जबकि न तो योजना की परिकल्पना और न भविष्य की संरचना में कुछ हो रहा है। सारे पर्यटन की मुट्ठी में होटलों को भरने की कोशिश इस कद्र हावी है कि सत्ता का हर पक्ष भी सरकारी होटलों में अपना नाम देखता है। हर सत्ता की निगाह में मंदिर आए जरूर, लेकिन कमाई के भोजपत्र पर सरकारी घोषणाओं का कब्जा होता रहा। मंदिर तब तक भवन थे, जब तक श्रद्धालु पर्यटक नहीं थे। अब वे पर्यटक ज्यादा, श्रद्धालु कम हैं। हिमाचल के बड़े मंदिरों के दर्शनार्थी बढ़ गए, लेकिन दर्शन बड़े नहीं हुए। कारण जितने ज्वालाजी में हैं, उतने ही चिंतपूर्णी, दियोटसिद्ध या किसी अन्य मंदिर परिसर में होंगे। हमने दक्षिण भारतीय मंदिरों का अध्ययन करने के लिए खर्च तो उठाया, लेकिन रिपोर्ट बनाकर भी सीखा कुछ नहीं। ऐसे में सवाल मंदिर परिसर की अफरा-तफरी तक ही नहीं, बल्कि सडक से हर सफर तक देखे जाते हैं। हम पर्यटन की तमाम घोषणाओं और परियोजनाओं में बड़ी मंजिलों का गुणगान सुनते हैं, लेकिन यह अभी नहीं जान पाए कि हिमाचल में करीब अस्सी फीसदी सैलानी या तो मंदिर यात्री के रूप में आए या धार्मिक पर्यटन ने इन्हें डेस्टिनेशन टूरिज्म तक पहुंचा दिया।

न पर्यटन के सेतु देखे गए और न ही यह प्रयास हुआ कि किस तरह धार्मिक स्थलों को आर्थिकी का स्थायी स्तंभ बनाया जाए। कल अगर सरकार को सैलानियों की तादाद में पर्यटन देखना है, तो सर्वप्रथम मंदिर परिसर और धार्मिक शहरों का मास्टर प्लान एवं गवर्निंग बाडीज स्थापित करनी होगी। मंदिर पर्यटन को धार्मिक पर्यटन का आकार देना तभी संभव होगा, यदि इसके लिए एक केंद्रीय मंदिर ट्रस्ट तथा मंदिर विकास प्राधिकरण का गठन किया जाए। मंदिर आय के सही इस्तेमाल को अगर तरजीह व अनुशासित निगाह मिले, तो इससे न केवल वांछित व शहरी विकास, बल्कि आर्थिकी का संचार भी होगा। सवाल परिक्रमा का नहीं, बल्कि परिदृश्य को बदलने का है। मंदिरों की शक्ति में पर्यटन की अहमियत को स्वीकार करें, तो योजनाओं के किरदार बदलेंगे। अब तक मंदिर आय पर सियासी तथा प्रशासनिक दृष्टि केवल दोहन भर की रही है, जबकि इन्हें सर्किट के रूप में विकसित करना होगा। आय-व्यय के कुचक्र में मंदिरों में न तो प्रशासनिक सुधार हुए और न ही क्षमता का विस्तार किया गया। उदाहरण के लिए ज्वालाजी मंदिर को अगर धार्मिक केंद्र के रूप में निखारना हो तो व्यापक शहरी विकास योजना का खाका बनाना पड़ेगा। मंदिर परिसर का क्षेत्रफल आठ से दस किलोमीटर तक सुव्यवस्थित करते हुए पार्किंग, मनोरंजन, व्यापारिक तथा धार्मिक मान्यताओं से जुड़े स्थलों को एक साथ नत्थी किया जा सकता है। ज्वालाजी मंदिर परिसर के साथ नादौन में ध्यानू भक्त की समाधि को जोड़ा जा सकता है, जबकि गरली-परागपुर जैसे धरोहर गांव भी इसकी परिधि में आकर विविध सुविधाओं में इजाफा कर सकते हैं।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

फर्जी शेयर ट्रेडिंग घोटाला: इंडसइंड बैंक के अधिकारी गिरफ्तार... साइबर थाने की कार्रवाई !

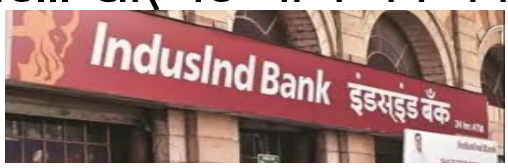

नवी मुंबई: एक व्यक्ति से रुपये की ठगी किये जाने का मामला सामने आया है. मामला दर्ज होते ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है. चौंकाने वाली बात यह है कि गिरफ्तार किए गए लोगों में एक दादी और दूसरा इंडसइंड बैंक का पूर्व अधिकारी है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम प्रवीण कुमार रमेश मिश्रा और अशोक श्यामलाल चौहान हैं. दोनों इंडसइंड बैंक के अधिकारी हैं. लेकिन कुछ महीने पहले प्रवीण कुमार ने नौकरी छोड़ दी. लेकिन साथ काम करने के दौरान उन्हें एक-दूसरे के बारे में पता चला। इन दोनों ने मिलकर सोशल मीडिया पर सट्टा बाजार में पैसा लगाने और कम समय में भारी रिटर्न पाने का विज्ञापन दिया था. एक डॉक्टर इसके आगे झुक गया और उसने उसमें कुछ निवेश कर दिया। उन्हें अच्छा रिटर्न भी मिला. इसलिए वादी ने बड़ी रकम निवेश करना शुरू कर दिया।

2 जनवरी से 23 फरवरी के बीच उन्होंने 33 लाख 05 हजार 023 रुपये का निवेश किया, लेकिन उन्हें कोई रिटर्न नहीं मिला और आखिरकार जब उन्हें धोखाधड़ी का एहसास हुआ तो उन्होंने अपनी शिकायत के आधार पर साइबर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया। मामला दर्ज किया गया. इसके अलावा, तकनीकी जांच में यह पता चला कि मोबाइल नंबर की तकनीकी जानकारी के आधार पर आरोपी द्वारा धोखाधड़ी के लिए इस्तेमाल किया गया बैंक खाता पूर्व प्रवीणकुमार रमेश मिश्रा का है। जैसे ही उसके उल्लासनगर में होने का पता चला, उसे वहीं से हिरासत में ले लिया गया और उससे आगे की पूछताछ की गई. उस समय यह बात सामने आयी कि उक्त अपराध अशोक श्यामलाल चौहान की मदद से किया गया था. अशोक इंडसइंड बैंक में बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजमेंट के पद पर कार्यरत हैं। इसलिए मिश्रा द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया। जब उससे पूछताछ की गई तो आरोपी प्रवीण कुमार मिश्रा उल्हासनगर के इंडसइंड बैंक के आरोपी अशोक चौहान के साथ काम कर रहा था।

आरोपी प्रवीण कुमार ग्राहक अशोक को चालू खाता खोलने के लिए ले जाता था और अशोक उक्त ग्राहक का चालू खाता खोलकर उसका डेबिट कार्ड, एमटीएम, चेक बुक और बैंक से जुड़ा मोबाइल नंबर और सिम कार्ड अपने पास रख लेता था। चालू खाता सक्रिय था। यह पता चला है कि वह अपने अगले साथी को खाता देकर साइबर धोखाधड़ी करने के लिए खाते का उपयोग कर रहा था।

आचार संहिता नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं

नगर निगम प्रशासन और ठेकेदार की मिलीभगत...

नवी मुंबई: लोकसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लगने से पहले ही नवी मुंबई मनपा प्रशासन ने काम शुरू कर दिए हैं. उनके कार्यों को काफी हद तक ध्वस्त करने के लिए पूर्व जनप्रतिनिधियों का नगर निगम मुख्यालय में जुटना चर्चा का विषय रहा. आचार संहिता से पहले नगर पालिका में उमड़ी भीड़ हर किसी का ध्यान खींच रही थी। सरकारी नियमों के अनुसार नगर निगम, सिडको, सड़क विकास निगम समेत विभिन्न सरकारी संस्थानों द्वारा कार्य करते समय उस स्थान पर कार्य की बुनियादी जानकारी बोर्ड पर लगाना जरूरी है। हालांकि, सवाल खड़ा हो गया है कि क्या नगर निगम प्रशासन और ठेकेदार की मिलीभगत से कार्य स्थल के बोर्ड पर लागत के आंकड़े छिपाये जा रहे हैं. यह वित्तीय वर्ष चुनाव वर्ष के नाम से जाना जायेगा.

वहीं, एक तरफ जहां देश में दरार और दल-बदल की बयार लगातार बदल रही है, वहीं देखने में आ रहा है कि राजनीतिक पार्टियां चुनावों को सामने रखकर राजनीतिक और आर्थिक मोचेबंदी करने में जुट गई हैं. चूंकि नगर निगम में प्रशासनिक नियमावली चल रही है, इसलिए शहर और विभिन्न वार्डों के विकास कार्यों में कार्यों के प्रस्ताव बनाने और लेखा विभाग से वित्तीय प्रावधान की अनुमति लेने और फिर नगर निगम आयुक्त के प्रस्तावों को मंजूरी देने और कार्यादेशों को मंजूरी देने का काम चल रहा है. और भविष्य में कुछ कार्य किए जाने हैं, लेकिन अब देखा जा रहा है कि नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। विभिन्न सरकारी संस्थाओं द्वारा कार्य स्वीकृत किये जाने के बाद उस कार्य का टास्क ऑर्डर दिये जाने के बाद कार्य शुरू होने से पहले ही ठेकेदार ने कार्य को ध्वस्त कर दिया है, जबकि चुनाव की आहट में कार्य कराया जा रहा है. लेकिन अब टेंडर प्रक्रिया के नियमानुसार कोई भी कार्य आदेश प्राप्त होने पर वास्तविक कार्य करते समय संबंधित ठेकेदार उस कार्य स्थल पर संपूर्ण प्रोजेक्ट की जानकारी, कार्य आदेश के साथ-साथ कार्य प्रारंभ होने की तारीख भी लगाने के लिए बाध्य है।

नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी तीन साल बाद गिरफ्तार

नवी मुंबई: रबाले एमआईडीसी पुलिस स्टेशन में एक नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न करने के बाद आरोपी फरार हो गया. उक्त आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। लेकिन आरोपी को जिस नाम से जाना जाता था, वह उसका मूल नाम नहीं था, इसलिए जांच अभी शुरू नहीं हुई थी. लेकिन क्राइम ब्रांच ने उसके ठिकाने का पता लगा लिया है और उसके चेहरे पर मुस्कान लौट आई है.

आरोपी का नाम अनंजय लालचंद्र पासवान उर्फ गनु है. यह आरोपी रबाले एमआईडीसी इलाके में रहता था. उसने अगस्त 2021 में एक नाबालिग लड़की का यौन शोषण किया था. इसकी जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने उसके माता-पिता की शिकायत के आधार पर 1 सितंबर को आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया. लेकिन उस समय इस इलाके में हर कोई आरोपी को धनंजय लालचंद सरोज के नाम से जानता था. इसलिए पहली खबर में भी वही नाम आरोपी के तौर पर दर्ज किया गया. इसलिए पुलिस को भी इसी नाम के एक शख्स की तलाश थी. लेकिन मूल रूप से फरार आरोपी को ढूंढना मुश्किल था क्योंकि यह आरोपी का असली नाम नहीं था। पुलिस कमिश्नर मिलिंद भारंबे ने इस पुराने अपराध को लेकर दोबारा जांच शुरू करने का आदेश दिया था. इसलिए जांच दोबारा शुरू की गई. अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त अमित काले के मार्गदर्शन में एक पुलिस टीम ने जांच शुरू की। जांच में पता चला कि वारदात में आरोपी का असली नाम अनंजय लालचंद्र पासवान उर्फ गनू (31 वर्ष निवासी ग्राम बघावर, पोस्ट-ताहिरपुर, रौनापार, जिला आजमगढ़ उत्तर प्रदेश) है। इस काम में कुछ मुखबिरों ने भी मदद की. वारदात को अंजाम देने के बाद भागते समय आरोपी ने बेंगलुरु में अपना मोबाइल बंद कर लिया. उसे उसी इलाके से गिरफ्तार किया गया.

बहू ने विकृत सास के खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज कराई

पनवेल: सास-बहू के झगड़ों के चरम पर पहुंचने की कई घटनाएं हमने सुनी और देखी होंगी, लेकिन दो दिन पहले एक सास ने खंडेश्वर पुलिस स्टेशन में आपराधिक शिकायत दर्ज कराई है. सास की दरिंदगी का चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। यह घटना मुंबई के चूनाभट्टी में हुई और इन सब से आहत होकर पीड़ित टीचर ने यह शिकायत दर्ज कराई है. पनवेल: सास-बहू के झगड़ों के चरम पर पहुंचने की कई घटनाएं हमने सुनी और देखी होंगी, लेकिन दो दिन पहले एक सास ने खंडेश्वर पुलिस स्टेशन में आपराधिक शिकायत दर्ज कराई है. सास की दरिंदगी का चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। यह घटना मुंबई के चूनाभट्टी में हुई और इन सब से आहत होकर पीड़ित टीचर ने यह शिकायत दर्ज कराई है. पीड़िता द्वारा इस दिल दहला देने वाली घटना की शिकायत दर्ज कराने के बाद शिकायत दर्ज करने वाली पुलिस भी अवाक रह गई. बार-बार ये सब झेलने के बाद पीड़िता पिछले साल अप्रैल तक इसी परिवार के साथ रही. लेकिन जब ये सब असहनीय हो गया तो पीड़िता ने थाने का दरवाजा खटखटाया.

महाराष्ट्र की इस सीट को लेकर सत्ताधारी सहयोगियों में तनाव? नारायण राणे ने किया ये बड़ा दावा

महाराष्ट्र : केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने मंगलवार को कहा कि बीजेपी को रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ना चाहिए क्योंकि वहां उसका एक महत्वपूर्ण आधार है. राणे ने विश्वास जताया कि अगर पार्टी उन्हें आगामी संसदीय चुनाव में उस सीट से मैदान में उतारती है, तो वह जीत हासिल करेंगे. राणे के बयान के बाद महाराष्ट्र के सत्तारूढ़ सहयोगियों के बीच तनाव बढ़ने की संभावना नजर आ रही है.

खासकर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना जिसकी तरफ से इस सीट पर दावा किया गया है और

बीजेपी के बीच. वर्तमान में इस सीट का प्रतिनिधित्व विनायक राउत कर रहे हैं. जो उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिव सेना (यूबीटी) के नेता हैं. रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग लोकसभा क्षेत्र महाराष्ट्र के दो प्रमुख तटीय जिलों को कवर करता है जो अविभाजित शिवसेना का गढ़ माना जाता रहा है. पार्टी के विभाजन के बाद विनायक राउत ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट का समर्थन किया और उन्हें शिव सेना (यूबीटी) ने इस सीट से टिकट दिया. वहीं अब शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने इस सीट पर अपना दावा पेश किया है. लेकिन बीजेपी ने इस सीट के लिए अब शिवसेना शिंदे पर अपना दबाव बढ़ा दिया है. मीडिया से बातचीत के दौरान नारायण राणे ने कहा कि रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग संसदीय क्षेत्र में बीजेपी का महत्वपूर्ण आधार है और हमें सीट मिलनी चाहिए. अगर बीजेपी मुझे मैदान में उतारती है तो मैं न सिर्फ चुनाव लडूंगा बल्कि सीट भी जरूर जीतूंगा.

नारायण राणे ने शिवसेना से की थी राजनीति की शुरूआत

आपको बता दें कि नारायण राणे के बड़े बेटे नीलेश राणे ने 2009 का लोकसभा चुनाव रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग निर्वाचन क्षेत्र से जीता था. उस समय नारायण राणे कांग्रेस का हिस्सा थे. 2014 में कांग्रेस ने राणे को फिर चुनाव मैदान में उतारा था लेकिन वे शिवसेना उम्मीदवार विनायक राउत से हार गए थे. विनायक राउत 2019 में भी अपना निर्वाचन क्षेत्र बरकरार रखा. नारायण राणे ने अपने राजनीतिक करियर की शुरूआत अविभाजित शिव सेना से की थी. हालांकि बाद में उन्हें शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे ने पार्टी से निष्कासित कर दिया था. वही राणे के छोटे बेटे नितेश सिंधुदुर्ग जिले में कांकावली विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं.

गोवा सीएम भी कर चुके है इस सीट का दौरा

बता दें कि महाराष्ट्र बीजेपी नेता और राज्य के पीडब्ल्यूडी मंत्री रवींद्र चव्हाण को रत्नागिरी का प्रभार दिया गया है. रत्नागिरी में बीजेपी बूथ-स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने लोकसभा उम्मीदवार से संबंधित सवालों को टाल दिया. आपको बता दें कि पिछले महीने गोवा के मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता प्रमोद सावंत भी सिंधुदुर्ग का दौरा कर चुके है. उन्होंने कहा था वहां बीजेपी का चुनाव चिन्ह कमल खिलना चाहिए.

उद्योग मंत्री ने रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग सीट पर शिवसेना की जीत का किया दावा

वहीं राज्य के उद्योग मंत्री उदय सामंत ने विश्वास जताया है कि सत्तारूढ़ शिवसेना रत्नगिरी-सिंधुदुर्ग निर्वाचन क्षेत्र में 2.5 लाख वोटों के अंतर से जीतेगी. शिवसेना इस सीट पर लंबे समय से चुनाव लड़ रही है. उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि हमारा उम्मीदवार विपक्षी उम्मीदवार के खिलाफ 2.5 लाख से अधिक मतों के अंतर से जीतेगा. बीजेपी के साथ-साथ शिवसेना नेताओं ने भी समर्थन प्रदर्शित करने के लिए दोनों जिलों - रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठकें आयोजित की हैं. राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, उदय सामंत के भाई किरण सामंत इसी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं.

पालघर में टैंकर ने स्कूटर को टक्कर मारकर घसीटा...

हादसे में महिला की मौत!

पालघर: महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक टैंकर ने एक स्कूटर को टक्कर मार दी और वाहन को घसीटते हुए कुछ दूरी तक ले गया, जिससे 35 वर्षीय एक महिला की मौत हो गयी और उनके पति इस दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गये।

पुलिस ने यह जानकारी दी। अरनाला सागरी थाने के एक अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना विरार इलाके में एक होटल के समीप मंगलवार को पूर्वाह्न करीब साढ़े नौ बजे हुई। अधिकारी ने बताया कि टैंकर ने स्कूटर को पीछे से टक्कर मारी और दोपहिया वाहन पर सवार दंपति को कुछ दूर तक घसीटता हुआ ले गया। उन्होंने बताया कि किरण टाक नाम की महिला की मौके पर ही मौत हो गई और उसके पति को गंभीर चोटें आईं। अधिकारी के मुताबिक, सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा। उन्होंने बताया कि घायल व्यक्ति को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां फिलहाल उनका उपचार किया जा रहा है। अधिकारी ने बताया कि महिला इलाके में घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी। अधिकारी के मुताबिक, पुलिस ने टैंकर चालक को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ संबंधित प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या!

नालासोपारा : नालासोपारा पूर्व के आचोले डोंगरी क्षेत्र में एक 39 वर्षीय शख्स द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किये जाने की घटना सामने आई है। इस संबंध आचोले पुलिस स्टेशन सीआरपीसी कलम 174 के तहत केस दर्ज कर आगे की तहकीकात में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार, संदीप जसवंत सिंह चंदेलिया, आचोले डोंगरी, आचोले में रहता था। बताया जाता है कि, 1 अप्रैल को संदीप किसी अज्ञात कारण वश घर के रूम के छत पर लगे लोहे के एंगल में ओढ़नी की सहायता से फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया और आगे की तहकीकात में जुट गई है।

महाराष्ट्र में दो समूहों के बीच हुई झड़प

एक-दूसरे पर तलवारों से किया हमला, विवाद का वीडियो वायरल

ठाणे : महाराष्ट्र में ठाणे जिले के भिवंडी इलाके में मंगलवार को दो समूहों के बीच हुई झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हो गए. पुलिस ने यह जानकारी दी. वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विनायक गायकवाड़ ने बताया कि एक ही इलाके में रह रहे दो परिवार के समूहों के बीच लंबे समय से दुश्मनी थी, जिसके चलते शाम करीब साढ़े पांच बजे उनके बीच झड़प हुई. उन्होंने कहा कि अभी तक इस मामले में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है. सोशल मीडिया पर, इस विवाद का एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें दोनों समूह एक-दूसरे पर तलवारों से हमला करते देखे जा सकते हैं.

फोन पर गेम खेलने को लेकर विवाद

एक अन्य मामले में एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि महाराष्ट्र के ठाणे जिले में मोबाइल फोन पर गेम खेलने के दौरान हुए विवाद के बाद दो नाबालिग भाइयों पर हमला करने के आरोप में पुलिस ने छह किशोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है. यह घटना 30 मार्च को भयंदर इलाके के काशीगांव में हुई और पीड़ितों के पिता, जो एक स्थानीय ऑटो-रिक्शा चालक हैं, ने मंगलवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है. काशीगांव पुलिस की एफआईआर के अनुसार, नाबालिग भाई-बहनों में से एक और उसके दोस्त, जो एक अलग समुदाय से है, के बीच मोबाइल फोन पर गेम खेलते समय विवाद हो गया, जिससे दोनों के बीच टकराव हुआ.

एफआईआर के अनुसार, दोस्त तो चला गया लेकिन बाद में पांच अन्य किशोरों के साथ लौटा और उन्होंने कथित तौर पर 12 और 14 साल की उम्र के भाई-बहनों के साथ मारपीट की, उनके खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया और उनके देवताओं के बारे में अपमानजनक टिप्पणियां कीं. शिकायत के आधार पर, छह किशोरों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया, जिसमें 295ए (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए जानबूझकर किए गए कृत्य), 153ए (विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना), 143 (गैरकानूनी सभा), 147 (दंगा करना) शामिल है.

एम.डी. ड्रग्स के साथ एक नाईजीरियन गिरफ्तार...

नालासोपारा : पिछले कई माह से तुलिंज पुलिस द्वारा नालासोपारा पूर्व क्षेत्र में नाईजीरियन के पास से लाखों रुपए एम.डी. ड्रग्स की खेप जप्त कर उनके खिलाफ केस दर्ज कर रही है। इसी कड़ी में फिर तुलिंज पुलिस ने एक 45 वर्षीय नाईजीरियन को 3 लाख से अधिक रुपए का एम. डी. ड्रग्स जप्त की है तथा उसके ऊपर तुलिंज थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीकरण कर आगे की विवेचना में जुट गयी है। मिली जानकारी के अनुसार, तुलिंज पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि एक 45 वर्षीय नाईजीरियन शख्स एम.डी. ड्रग्स (मेफेड्रॉन) लेकर नालासोपारा पूर्व के तुलिंज ब्रिज के नीचे बेचने आने वाला है।

मनपा को गड्ढे भरने के लिए लगाने पड़ेंगे चुनाव आयोग के चक्कर

स्कूली बच्चों को दी जाने वाली सामग्री के लिए भी लेनी होगी मंजूरी

मुंबई : मानसून के दौरान सड़कों पर पड़ने वाले गड्ढों को भरने के लिए मनपा हर साल ठेकेदारों को काम देती है। लोकसभा चुनाव के चलते लगी आचार संहिता के कारण मनपा को अब गड्ढे भरने के लिए राज्य चुनाव आयोग के समक्ष चक्कर लगाने होंगे। इसी तरह स्कूली बच्चों को हर साल दी जाने वाली 27 वस्तुओं को देने के लिए भी चुनाव आयोग की मंजूरी लेनी पड़ेगी। चुनावी आचार संहिता लगने के कारण इस साल सेवा सुविधा मुहैया कराने में परेशानी हो सकती है।

मनपा के सामने इस तरह की सेवा सुविधा देने के लिए पहले से तैयारी नहीं होने के कारण मनपा के सामने परेशानी बढ़ गई है। उल्लेखनीय है कि मानसून के पूर्व सड़क पर बनने वाले गड्ढों को भरने के लिए ठेका देना पड़ता है। खासकर जो सड़क डी एल पी में नहीं है, उन सड़कों पर पड़े गड्ढों को भरने के लिए ठेकेदार की नियुक्ति करनी पड़ती है। मनपा प्रशासन द्वारा इस साल सड़कों पर पड़ने वाले गड्ढों को भरने के लिए दिए जाने वाले ठेका अभी तक नहीं दिए जाने से मनपा को अब ठेका देने के लिए राज्य चुनाव आयोग से मंजूरी लेनी पड़ेगी। मनपा प्रशासन ने डी एल पी सड़क की भी मरम्मत करने के लिए सख्त निर्देश दिए गए हैं। लोकसभा चुनाव जून महीने में खत्म हो रहा है।

धारावी पुनर्विकास को मंजूरी, रेलवे के स्वामित्व वाली भूमि के हस्तांतरण में बाधा आखिरकार दूर

मुंबई : धारावी पुनर्विकास परियोजना में रेलवे के स्वामित्व वाली भूमि के हस्तांतरण में बाधा आखिरकार दूर हो गई है। रेलवे के स्वामित्व वाली 45 एकड़ भूमि को धारावी पुनर्विकास में शामिल किया गया है और इस स्थल पर पात्र निवासियों के लिए घर बनाकर धारावी पुनर्विकास शुरू किया जाएगा। रेलवे भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) ने आखिरकार 45 एकड़ में से 25.57 एकड़ जमीन धारावी पुनर्विकास परियोजना (डीआरपी) को हस्तांतरित कर दी है। इसलिए धारावी पुनर्विकास का रास्ता अब साफ हो गया है।

धारावी के पुनर्विकास का ठेका अडानी समूह को दिया गया है और धारावी पुनर्विकास परियोजना प्राइवेट लिमिटेड (डीआरपीपीएल) के माध्यम से धारावी में सर्वेक्षण शुरू किया गया है। निवासियों की पात्रता निर्धारित करने का कार्य भी शुरू कर दिया गया है। डीआरपीपीएल की योजना अनुबंध को अंतिम रूप दिए जाने के बाद यथाशीघ्र वास्तविक पुनर्वासित भवनों का निर्माण शुरू करने की है। लेकिन इसके लिए रेलवे की 45 एकड़ जमीन को डीआरपी के अधीन आना पड़ा. इस स्थल पर पुनर्वासित इमारतों के निर्माण के साथ धारावी पुनर्विकास परियोजना शुरू की जाएगी। पिछले कई महीनों से डीआरपी इस जगह पर कब्जा पाने के लिए रेलवे से संपर्क कर रही थी। यह प्रयास अंततः सफल हुआ और रेलवे ने 13 मार्च को 45 एकड़ में से 25.57 एकड़ जमीन डीआरपी को हस्तांतरित कर दी। डीआरपी के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस रिपोर्ट की पुष्टि की है।

17 साल में रेलवे को 2800 करोड़ रु

यह 45 एकड़ स्थल धारावी पुनर्विकास की मूल योजना में शामिल नहीं था। राज्य सरकार ने निविदा प्रक्रिया रद्द कर दी और साइट को धारावी पुनर्विकास में शामिल कर लिया और एक नई निविदा जारी की। डीआरपी ने इस साइट के लिए रेलवे को 1,000 करोड़ रुपये दिए हैं और भविष्य में धारावी पुनर्विकास से प्राप्त राजस्व से 17 वर्षों में चरणबद्ध तरीके से 2,800 करोड़ रुपये रेलवे को दिए जाएंगे। डीआरपी के अधिकारियों ने कहा कि अब जब 25.57 एकड़ जमीन पर कब्जा कर लिया गया है, तो पुनर्वास भवनों का निर्माण शुरू करने की योजना बनाई जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि बाकी जमीन को भी जल्द कब्जा दिलाने के लिए फॉलोअप किया जाएगा।

महाराष्ट्र नवनिर्माण कामगार सेना के उपाध्यक्ष पर चाकू से हमला

मुंबई : महाराष्ट्र नवनिर्माण कामगार सेना के उपाध्यक्ष राज परते पर चांदीवली इलाके में चाकू और चाकू से हमला किया गया. इस संबंध में साकीनाका पुलिस स्टेशन में गजानन राणे और प्रतीक राणे सहित मनसे कामगार सेना के 15 से 20 कार्यकर्ताओं के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया है। शिकायत में कहा गया है कि पार्टे पर तब हमला किया गया जब वे सभी श्रमिकों के बीच विवाद को सुलझाने के लिए एक साथ आए थे। साकीनाका पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है. शिकायतकर्ता राज परते घाटकोपर पश्चिम का निवासी है और मनसे की श्रमिक सेना का उपाध्यक्ष है। उन्हें इलाज के लिए घाटकोप के राजावाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया था. इस मामले में गजानन राणे, प्रतीक राणे, अन्ना लोखंडे, चेतन मेमन, आकाश जाधव और 15 से 20 कार्यकर्ताओं के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया है। दोनों आरोपी गजानन राणे और प्रतीक राणे मनसे कामगार सेना के पदाधिकारी हैं। गजानन राणे ने बताया था कि वे पार्टी कार्यकर्ता विजय निकम से विवाद पर चर्चा करने के लिए मिलने आ रहे थे. इसके मुताबिक, सभी चांदीवली के अंसा इंडस्ट्रीज के गेट नंबर 1 पर मिले। तभी आरोपी शिकायतकर्ता पक्ष से बहस करने लगा। इस मौके पर शिकायतकर्ता पर चाकू, छुरी और लोहे की सरियों से हमला किया गया. कारें क्षतिग्रस्त हो गईं. उपायुक्त (सर्किल-10) मंगेश शिंदे ने कहा कि इस मामले में मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच चल रही है.

ऑनलाइन ठगी से 3.5 लाख रुपये बरामद,

काशीमीरा पुलिस ने की त्वरित कार्रवाई

वसई : काशीमीरा पुलिस ने पूरे रुपये बरामद कर लिए हैं. शिकायत मिलते ही काशीमीरा पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अकाउंट फ्रीज कर दिए और साइबर बदमाश उन पर हमला नहीं कर सके. मीरा रोड में रहने वाले शिकायतकर्ता दर्शन व्यास आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। इसके लिए उन्होंने लोन लेने के लिए गूगल से ह्यक्रेडिट इंस्टालमेंट लोनह्व नाम का ऐप डाउनलोड किया था। लेकिन ये लोन ऐप फर्जी था.

दर्शन व्यास ने इस लोन ऐप के साइबर स्कैम के जरिए लोन लेने के लिए अलग-अलग कारण बताते हुए 3 लाख 29 हजार रुपये देने को कहा था. यह रकम अलग-अलग खातों में जमा कराई गई थी। लेकिन इतना सब करने के बावजूद व्यास को लोन नहीं मिला और फीस के तौर पर चुकाई गई साढ़े तीन लाख की रकम भी उन्हें नहीं मिली. खुद को ठगा हुआ महसूस करते हुए व्यास ने काशीमीरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने धारा 420, 34 के साथ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66 (सी) और 66 (डी) के तहत मामला दर्ज किया था। शिकायतकर्ता व्यास द्वारा भुगतान की गई राशि अलग-अलग बैंक खातों में जमा की गई थी। हालांकि, समय पर शिकायत मिलने के बाद, काशीमीरा पुलिस ने तुरंत संबंधित बैंक से संपर्क किया और राशि को फ्रीज कर दिया। बाद में पुलिस ने कोर्ट से पत्राचार कर शिकायतकर्ता से धोखाधड़ी की रकम बरामद की। काशीमीरा पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की और साइबर अपराधियों को पैसे निकालने से पहले ही पकड़ लिया गया। साइबर अपराध में धोखाधड़ी की रकम की शत-प्रतिशत वसूली का यह एक दुर्लभ मामला है।

किस बात का ध्यान रखें?

साइबर भम्ते सक्रिय हो गए हैं और नागरिकों को अनजान व्यक्तियों से व्यवहार करते समय सावधान रहना चाहिए, ऐसी अपील साइबर पुलिस ने की है। काशीमीरा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजेंद्र कांबले ने अपील की है कि ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले में तुरंत सरकार के हेल्पलाइन नंबर 1930 या साइबर क्राइम वेबसाइट पर रिपोर्ट करें.

वसई में प्रसिद्ध सलीम कासेतवाला हत्याकांड... भगोड़ा आरोपी 36 साल बाद गिरफ्तार

वसई : मानिकपुर पुलिस ने 1988 में वसई भार रोड पर सलीम कमाल उर्फ सलीम कैसेटवाला की हत्या के मामले में भगोड़े आरोपी क्लेमेन लोबो उर्फ मुन्ना को करीब 36 साल बाद गिरफ्तार कर लिया है। हत्या के बाद वह विदेश भाग गया। 90 के दशक में वसई में हुई विभिन्न हत्याओं में से सलीम कैसेटवाला की हत्या सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती है। 90 के दशक में वसई विरार शहर में दहशत का माहौल था। दिनदहाड़े सड़कों पर हत्याएं हो रही थीं. इसी दौरान सलीम अकबर अली कमाल उर्फ सलीम कैसेटवाला की भी हत्या कर दी गई। उनकी कैसेट की दुकान थी और इलाके में उनका बड़ा प्रभाव था. मृतक सलीम कमाल वरिष्ठ बहुजन विकास अघाड़ी कार्यकर्ता और केबल व्यवसायी सिराज कमाल के भाई थे। 1988 में, सलीम वसई पश्चिम मानिकपुर रोड (दत्तात्रय शॉपिंग सेंटर के सामने) पर पानीपुरी खाने आए। शाम करीब 7:30 बजे वह अपने बेटे के साथ पानीपूरी खा रहे थे तभी 7 लोगों के गिरोह ने सड़क पर उनकी हत्या कर दी. हत्या दुश्मनी के चलते की गई थी। वसई तब वसई का एकमात्र पुलिस स्टेशन था। तत्कालीन वसई पुलिस ने 6 लोगों को गिरफ्तार किया था. लेकिन सातवां मुख्य आरोपी क्लेमैन लोबो उर्फ मुन्ना (अब 55 वर्ष) फरार था। बाद में उसका कहीं पता नहीं चला. समय के साथ मामला ठंडा पड़ गया. मानिकपुर पुलिस ने मामले की नए सिरे से जांच शुरू की थी। भगोड़े आरोपी क्लेमेन लोबो के विदेश से वसई आने की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया. मानिकपुर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजू माने ने बताया कि उसे आगे की जांच के लिए वसई पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है।

डंपर से कुचलकर 66 वर्षीय वृद्ध की मौत

मुंबई: घोड़बंदर के एक 66 वर्षीय व्यक्ति की मंगलवार को उस समय मौत हो गई जब एक डंपर ने उसे पीछे से टक्कर मार दी और वह डंपर के पिछले पहिये के नीचे आ गया। पुलिस ने डंपर चालक खरीगांव निवासी 44 वर्षीय रमेश सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। घटना सुबह करीब 10.30 बजे हुई जब हेमंत पटेल अपने दोपहिया वाहन पर घोड़बंदर इलाके से ठाणे की ओर जा रहे थे। कपूरबावड़ी पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा, ''उसी समय, पीछे से आ रहे एक मालवाहक डंपर ने उनके स्कूटर को जोरदार टक्कर मार दी और वह गिर गए।'' ''उसके सिर से बहुत खून बह रहा था। उन्हें तुरंत जिला सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने इलाज से पहले ही उन्हें मृत घोषित कर दिया।

महाराष्ट्र के संभाजीनगर में लगी भीषण आग, एक ही परिवार के 7 लोगों की मौत!

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के संभाजीनगर में मंगलवार (2 अप्रैल) की सुबह दर्दनाक हादसा हो गया. यहां भयंकर आग लगने से एक ही परिवार के सात लोगों की मौत हो गई. प्राथमिक रूप से मिली सूचना के मुताबिक यह आग असलम टेलर नाम के एक दुकान में लगी. आग सुबह 3 से 4 के बीच में लगी. ऐसा बताया जा रहा है कि यहां एक बैटरी वाली गाड़ी को चार्जिंग में लगाया गया था और उसी में हुए ब्लास्ट के बाद यह भयंकर आग लगी. कपड़े की दुकान होने की वजह से आग चारों तरफ फैल गई और जिसमें जलकर दो लोगों की और दम घुटने के कारण पांच लोगों की मौत हो गई. वहीं मृतकों की पहचान आसिम वसीम शेख, परी वसीम शेख, वसीम शेख (30 वर्ष), तन्वीर वसीम (23 वर्ष), हमीदा बेगम (50 वर्ष), शेख सोहेल (35 वर्ष), रेशमा शेख (22 वर्ष) के रूप में हुई है.

बताया जा रहा है कि जब तक पड़ोसी कुछ समझ पाते आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया था. कुछ ही समय में पूरा घर जलकर राख हो गया. पुलिस ने सभी के शव पोस्टमार्टम के लिए सरकारी हॉस्पिटल पहुंचा दिए हैं. जानकारी के मुताबिक जिस इमारत में आग लगी है, वह तीन मंजिला थी उसके ग्राउंड फ्लोर पर कपड़े की दुकान थी, जिसमें आग लगी.

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com